ASTRO ARPITA NATH

12 भावों में अष्टमेश के सामान्य फल

Arpita Nath द्वारा · फलित ज्योतिष सूत्र · 2026-09-09

वैदिक ज्योतिष में, आठवां भाव (8th House) परिवर्तन, अप्रत्याशित या बिना कमाया हुआ धन (विरासत, कर, संयुक्त संपत्ति), दीर्घायु, शोध, गूढ़ विद्याओं और छिपे हुए सत्यों का संचालन करता है। चूंकि आठवां भाव एक दुस्थान (चुनौतीपूर्ण भाव) है, इसलिए इसका स्वामी परिवर्तन के एक शक्तिशाली कारक के रूप में कार्य करता है - जो सही ढंग से समझे जाने पर अस्थिरता को गहन शक्ति, अंतर्ज्ञान और वित्तीय गहराई में बदल देता है।

प्रथम भाव में आठवें भाव का स्वामी: अंतर्ज्ञानी फीनिक्स

भविष्यवाणी: आप जीवन में कई अलग-अलग "पुनर्जन्मों" से गुजरते हैं जो आपकी पहचान और दृष्टिकोण को पूरी तरह से बदल देते हैं। आपके पास लोगों को समझने और उनके छिपे हुए इरादों को भांपने की स्वाभाविक क्षमता होती है। नियमित स्वास्थ्य दिनचर्या और सचेतनता (माइंडफुलनेस) के माध्यम से अपनी शारीरिक जीवन शक्ति की रक्षा करना आपको अपनी असीम आंतरिक सहनशक्ति का उपयोग करने में मदद करता है।

दूसरे भाव में आठवें भाव का स्वामी: गुप्त संपत्ति का रणनीतिकार

भविष्यवाणी: आपकी तरल संपत्ति और पारिवारिक समीकरण कई विकासात्मक चरणों से गुजरते हैं। धन अक्सर गैर-पारंपरिक माध्यमों से आता है; जैसे कि विरासत, रॉयल्टी, बीमा, निवेश या जीवनसाथी का सहयोग। आपकी वाणी में गहरा मनोवैज्ञानिक प्रभाव होता है; जब आप बोलते हैं, तो लोग ध्यान से सुनते हैं।

तीसरे भाव में आठवें भाव का स्वामी: निडर अन्वेषक

भविष्यवाणी: आपकी मानसिक ऊर्जा रहस्यों को सुलझाने, जटिल डेटा का विश्लेषण करने, लेखन करने या वर्जित विषयों की खोज करने में फलती-फूलती है। आपकी संवाद शैली स्पष्ट और बेबाक होती है। हालांकि भाई-बहनों के साथ संबंधों में गहरे बदलाव आ सकते हैं, लेकिन उम्र के साथ आपका व्यक्तिगत साहस लगातार बढ़ता जाता है।

चौथे भाव में आठवें भाव का स्वामी: संपत्ति और आंतरिक जगत का खोजी

भविष्यवाणी: आपको पूर्ण एकांत और शांत परिवेश में सुकून मिलता है। संपत्ति का लाभ विरासत, पैतृक भूमि या रियल एस्टेट के छिपे हुए मूल्य के माध्यम से प्राप्त हो सकता है। आपका अपने घरेलू परिवेश के साथ एक गहरा, सहज संबंध होता है और आप अक्सर अपने परिवार के लिए एक भावनात्मक संबल के रूप में कार्य करते हैं।

पांचवें भाव में आठवें भाव का स्वामी: रणनीतिक मस्तिष्क और सट्टेबाज

भविष्यवाणी: आपकी बुद्धि जटिल प्रणालियों, डेटा विज्ञान, ज्योतिष, मनोविज्ञान या गहन शोध की ओर प्रवृत्त होती है। वित्तीय

निवेश के लिए सावधानी और गहन विश्लेषण बेहद महत्वपूर्ण हैं। इस स्थिति में संतान अक्सर दुर्लभ अंतर्ज्ञान, तीव्र तर्कशक्ति और भावनात्मक गहराई प्रदर्शित करती है।

छठे भाव में आठवें भाव का स्वामी: विपरीत राज योग परिवर्तक

भविष्यवाणी: एक दुस्थान भाव के स्वामी का दूसरे दुस्थान भाव में होना शक्तिशाली विपरीत राज योग का निर्माण करता है। दूसरों द्वारा झेली जाने वाली चुनौतियाँ, कॉर्पोरेट विवाद या अचानक आने वाली रुकावटें आपके विकास के लिए बड़े अवसरों में बदल जाती हैं। आप कानून, ऑडिटिंग, चिकित्सा और जोखिम प्रबंधन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

सातवें भाव में आठवें भाव का स्वामी: गहरे संबंधों का वार्ताकार

भविष्यवाणी: साझेदारियां जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाती हैं। आपके जीवनसाथी या व्यावसायिक साझेदार पर्याप्त वित्तीय संपत्ति, विरासत, या संयुक्त निवेश, कराधान अथवा मनोविज्ञान में विशेषज्ञता ला सकते हैं। खुला संवाद और आपसी विश्वास अपार साझा सफलता के द्वार खोलते हैं।

आठवें भाव में आठवें भाव का स्वामी: गुप्त विद्याओं का ज्ञाता

भविष्यवाणी: अपने स्वयं के भाव (स्वक्षेत्र) में स्थित होने पर, अष्टमेश असाधारण दीर्घायु, अचानक आने वाले संकटों से मजबूत सुरक्षा और जीवन के गहरे रहस्यों की सहज समझ प्रदान करता है। यह शोधकर्ताओं, तांत्रिकों/गूढ़ विद्या के जानकारों, ऑडिट विशेषज्ञों और संस्थागत प्रमुखों के लिए अत्यधिक अनुकूल है।

नौवें भाव में आठवें भाव का स्वामी: दार्शनिक सत्य-खोजी

भविष्यवाणी: आपकी आध्यात्मिक और दार्शनिक यात्रा पारंपरिक रूप से बिल्कुल अलग होती है। आप सतही परंपराओं से परे मूल सत्यों की तलाश करते हैं, और अक्सर लंबी दूरी की यात्राओं, उच्च शिक्षा या गूढ़ विषयों के अध्ययन के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करते हैं। आपका मार्गदर्शन दूसरों को जीवन की गहरी दुविधाओं से निकलने में मदद करता है।

दसवें भाव में आठवें भाव का स्वामी: संकट प्रबंधन अधिकारी

भविष्यवाणी: आप उन व्यावसायिक क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करते हैं जहां संकट प्रबंधन, गहन ऑडिटिंग या संरचनात्मक सुधार की आवश्यकता होती है। आपको सरकार, कॉर्पोरेट प्रबंधन, चिकित्सा या वित्त में विफल प्रणालियों को ठीक करने या संवेदनशील, उच्च-जोखिम वाली परियोजनाओं को संभालने के लिए बुलाया जाता है।

ग्यारहवें भाव में आठवें भाव का स्वामी: अप्रत्याशित धन का निर्माता

भविष्यवाणी: वित्तीय लाभ अचानक आने वाले मोड़ों, संयुक्त उपक्रमों के मुनाफे, शोध परियोजनाओं या विदेशी नेटवर्कों के माध्यम से प्राप्त होते हैं। आप ऐसे मित्रों और सहयोगियों को आकर्षित करते हैं जो उच्च-स्तरीय अनुसंधान, वित्त या विशिष्ट क्षेत्रों में काम करते हैं। समय के साथ आय के कई गैर-पारंपरिक स्रोतों से लाभ मिलता है।

बारहवें भाव में आठवें भाव का स्वामी: रहस्यवादी और सार्वभौमिक साधक

भविष्यवाणी: यह विपरीत राज योग का एक और प्रमुख संयोजन है। आप शांत वातावरण, विदेशों या अनुसंधान केंद्रों, गैर-लाभकारी संस्थाओं और आध्यात्मिक आश्रमों जैसे संस्थानों में फलते-फूलते हैं। आध्यात्मिक अनुशासन, ध्यान और विदेशी कार्यों के माध्यम से भौतिक नुकसान या अप्रत्याशित खर्च आसानी से निष्प्रभावी हो जाते हैं।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/8th-house-lord-in-12-houses/

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।